SM15-2-3 HI

बुद्धिमत्ता की डिजाइन की केस - प्रोग्राम 3

अनाऊंसर: आज द जॉन एन्करबर्ग शो में, हम कहाँ से आए हैं? हम यहाँ कैसे पहुंचे हैं? किसने हमें अस्तित्व में लाया है?

ज्यादातर स्कुल और कॉलेज में चार्ल्स डारविन का उत्पत्ति का सिद्धान्त विज्ञान के स्थापित सत्य के रूप में बताया जाता है, किसी थेयरी से बढ़कर/ लेकिन आज बहुत से माने हुए वैज्ञानिक जो इस लेख को देखते हैं वो डारविन की थेयरी का इनकार करते हैं, बहुत से कारणों से/ उन में से एक सबसे महत्वपूर्ण है जानवरों का कैमरियन एक्सप्लोजन, जो बेचीदा है, पूरी तरह से बने हुए जानवर अचानक फोसील रिकार्ड्स में आते हैं, इसके पहले कोई जवाब नही था, कि कुछ वैज्ञानिक क्यों विश्वास करते हैं, कि ये जानवर सहमत करनेवाले सबूत देते हैं, जीवन के इतिहास में सर्वसामर्थी के आकर देने की बुद्धी का/

आज मेरे मेहमान हैं डॉक्टर स्टीवन मायर,इन्होने फिलोसोफी ऑफ़ साइंस में पी एच दी पाई है, केमब्रिज यूनिवर्सिटी से, और ये लेखक हैं बेस्ट सेलिंग बुक डारविनस डाउट के/ हम आपको जुड़ने का न्योता देते हैं/

****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: प्रोग्राम में स्वागत है, मैं हूँ जॉन एन्करबर्ग, मेरे साथ जुड़ने के लिए धन्यवाद, हमारा विषय है, आज क्यों बहुत से वैज्ञानिक टेक्स बूक के स्थिर उत्पती के सिद्धान्त का इनकार क्यों करते हैं, जिसे नीओ-डारविनइज़्म नाम से जाना जाता है/ जो हम ने हाय स्कुल और कॉलेज के टेक्स्ट बुक में पढ़ा और कहाँ से कंटेम्पररी इवोल्यूशन थेयरी शुरू होती है? पिछले कुछ हफ्तों से हम उत्पत्ती के सिद्धान्त के बारे में देख रहे हैं और उसका सामना करने के लिए वैज्ञानिक समस्याएँ क्या हैं, वैज्ञानिक और फिलोसोफर स्टीफन मायर के साथ, डॉक्टर मायर पहले के जियो-फिजिसिस्टहैं जिन्होंने अपनी पी एच डी फिलोसोफी ऑफ़ साइंस में पाई है, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी से, इन्होने दो बेस्ट सेलिंग बुक्स लिखी हैं सिगनिचर इन द और डारविनस डाउट/

डारविनस डाउट में डॉक्टर मायर ने बताया कि कैसे डारविन ने अपनी ही थेयरी पर संदेह किया, कि सबूत के मुख्य बात को बताए, और कैसे उस संदेह ने इवोल्यूशनरी सोच में आज बड़ा बदलाव लाया है डारविन जिन्दगी के इतिहास में एक मुख्य घटना से परेशान थे, जिसे कैमरीयन एक्सप्लोजन के नाम से जाना जाता है, जहाँ फोसिल्स रिकॉर्ड में पहले जानवरों का समूह अचानक प्रकट हुआ/

डॉक्टर मायर हम खुश है कि आप यहाँ हैं और आज मैं शुरू करना चाहता हूँ, इलास्ट्रा मिडिया की सुंदर डाक्यूमेंट्री मूवी डारविनस डिलेमा से, ये क्लिप आपको डॉक्टर स्टेफन मायर के बारे में और भी बताएगी, और

बुद्धिमानी की डिसीजन की थेयरी के बारे में, हम सकारात्मक वैज्ञानिक सबूत दिखाएगे, जो इस नए पर्यायी दृष्टिकोण से सहमत हैं नियो-डारविनीजम के सामने/ इसे देखिए/

इलेस्ट्रा मीडीया की डॉक्युमेन्ट्री मूवी डारवीन्स डाऊट से

अनाऊंसर: यदि डारविन का मैकेनिज्म कैमरीयन जानवरों के बनाए जाने के लिए जरूरी जानकारी नही दे सकता, तो क्या ये और किसी कारण से दे सकता है?

20 साल से ज्यादा समय से स्टीफन मायर ने इस बुनियादी भेद के बारे में अभ्यास किया है/

अगस्त 2004 में मायर ने अपने पीर-व्यू जरनल में अपनी बहुतसी बातों को पब्लिश किया, जो उनके स्मिथसोनियन इंस्टीट्यूटयूशन से जुडी थी/

इनके निबन्ध ने बहुतसा विरोध उत्पन्न किया, जिसने उस जरनलस के एडिटर का भविष्य जोखिम में डाल दिया था, इवोल्यूशनरी बायोलॉजिस्ट रिचर्ड स्टेनबर्ग का, लेकिन क्यों एक टेक्निकल पेपर जो जानवरों के बॉडी प्लान के आरंभ के बारे में बताता है वो इस तरह का प्रतिउत्तर बना दे?

डॉक्टर स्टीफन मायर:: बहुतसे लोगों के लिए मेरे पेपर के सारांश के साथ यही समस्या थी, कि मैं केवल डारविन के मैकेनिज्म नए रूप और जानकारी के बारे में पूरी तरह नही बता सकते हैं, जो कैमरीयन में आते हैं, लेकिन मैंने इस पर भी बहस की है कि उस एक्सप्लोजन के फीचर्स हैं जो जिन्दगी के इतिहास में बुद्धिमत्ता की सृष्टि के बारे में बताते हैं/

अनाऊंसर: कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के ग्रेजुएट होने वाले विद्यार्थी के समय से, मायर ने बुद्धिमत्ता की डिजाईन के लिए साइंटिफिक केस बनाने का निर्णय लिया/ ये केस तो सोच के निश्चित तरीके पर आधारित थी, जिसका उपयोग चार्ल्स डारविन और 19 वी सदी के विख्यात जियोलाजिस्ट चार्ल्स लायोल ने किया था/ लायोल ने जोर दिया था कि भूतकाल में हुई घटनाओं का सबसे अच्छा विवरण यही होगा, जो हमें उसके उत्पन्न करने के कारण से जाना जाता है/ जो वर्तमान में काम करनेवाला कारण है, जो अब काम करता है/

डॉक्टर स्टीफन मायर:: वर्तमान ही भूतकाल के लिए चाबी है, ये लायल का विचार था, ये स्थर था ऐतिहासिक वैज्ञानिक तरीके के लिए, यदि हम इतिहास में क्या हुआ उसके बारे में जानने की कोशीश कर रहे हैं, तो हमें प्रभाव डालनेवाले वर्तमान के परिणामों को सबसे अच्छे विवरण के लिए मार्गदर्शन करने देना होगा/

अनाऊंसर: इस कारण ने मायर की जानकारी के शुरू के बार में जानने की इच्छा पर गौर करने में मदत की/

डॉक्टर स्टीफन मायर:: मुझ पर ज्योति आई और मैंने जाना कि ये इतना मुश्किल नही है/ हम जिसे ढूंड रहे है वो कारण हैं, जो इस तरह के प्रभाव डालने के लिए जाने जाते हैं/ मैंने खुद से सवाल पूछा, अब कौनसा कारण काम कर रहा है जिसके कारण नई जानकारी आती है, डिजिटल कोड या चाहे ये नक्शे के रूप में हायआर्कीकल जानकारी है? इस तरह की जानकारी कहाँ से आती है, हम अपने अनुभव से जानते हैं, हमारे निश्चित और बार बार पाए अनुभवों से, जो भूतकाल के सारे साइंटिफिक रीजनिंग की बुनियाद है/ कि जानकारी हमेशा बुद्धिमत्ता

के स्रोत से ही आती है/ याने जब हम जानकारी पाते हैं, कैमरीयन जानवरों में, तो हम जानते हैं कि नई जानकारी बहुत ज्यादा चाहिए कि उन जानवरों को बना सके, सबसे स्वाभाविक और सबसे व्यवहारिक रूप में कहना होगा, कि वो जानवर बुद्धिमत्ता के स्रोत में ही अपने आरंभ को रखते हैं, तो उन्हें बनाने के लिए जो जानकारी चाहिए वो तो बुद्धिमत्ता से ही आनी चाहिए/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: डॉक्टर मायर आपने मुख्य भूमिका निभाई है इंटेलीजेंट डिजाईन की केस बनाने में और इसे सही रूप देने में, और मैं चाहता हूँ कि आप लोगों को अपनी कहानी बताइए कि ये कैसे आया?

डॉक्टर स्टीफन मायर:: खैर 80 के दौरान मैं जवान वैज्ञानिक था, और आयल कंपनी के लिए काम करता था, जीओफिजिसिस्ट के रूप में/ और मैं काम कर रहा था साइसमीक प्रोसेसिंग में, ये तो शुरू का रूप है इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी का, ये तो बहुत है अद्भुत है, मैं विज्ञान की बड़ी बातों में दिलचस्पी लेने लगा, इन्टरसेक्शन ऑफ़ साइंस एंड फिलोसोफी/ इस कोन्फेरेंस में तीन बड़े सवालों पर चर्चा हुई संसार की शुरुवात के बारे में, जिन्दगी के शुरुवात और मनुष्य के विवेक की सचेतता की शुरुवात/ वहां उस कोन्फेरेंस में एक वैज्ञानिक थे,चार्ल्स थैक्सटन जिन्होंने हाल ही में बड़ी किताब लिखी थी, ये सवाल था सबसे पहली जिन्दगी के शुरू के बारे में, नाम है द मिस्ट्री ऑफ़ लाइफ ओरिजिन/ उन्होंने बताया कि आधुनिक बायोलॉजी में इस समस्या का हल नही हुआ है/ और कोई भी केमिकल थेयरी बताई नही गई कि कैसे प्रीबायोटिक सूप में ये केमिकल कहाँ से आए/ जिसे पहला जीवित सेल बने/ और मुख्य बात जिस पर उन्होंने गौर किया और पैनल के बहुत से वैज्ञानिकों ने ये बात मानी, ये तो जानकारी की शुरुवात की समस्या है, ये तो जेनेटिक जानकारी की शुरुवात है जो डी एन ए में रखी जाती है, पहला सेल बनाने के लिए इसकी जरूरत होती है/

जी, इससे मैं रोमांचित हुआ, और अंत में मैंने थैक्सटन को जाना, जिनका परिचय कोन्फेरेंस में किया गया था, और काम के बाद उनसे मिलने जाने लगा, उन्होंने एक एपोलॉग रखा है अपनी किताब में, ए मिस्ट्री ऑफ़ लाइफ ओरिजिन में, जो एक विचार से भरा है जिसे वो कहते हैं, खैर उन्होंने इसे नाम नही दिया उन्होंने कहा डी एन ए की जानकारी की प्रॉपर्टी में कुछ होता है, जो सलाह देता है कि यदि हम बुद्धिमत्ता के कारण को देख रहे हैं तो, ये उनकी सलाह है, और उस समय उन्होंने इसे एक बड़ी थेयरी जैसे नही बनाया लेकिन ये तो एक सटीक ऐसा कनेक्शन है जो हमारी समझ पर या उनकी समझ पर आधारित है, बहुत से लोगों के लिए ये जानकारी तो मन से निकली है, तो वो सोचते हैं कि ये मन से आया या बुद्धि की बात है और ये ऐसा नही जो केमिस्ट्री से नही आया है/ /

खैर कुछ भी हो मैं इससे रोमांचित हुआ इस संबंध में जानकारी और बुद्धिमत्ता के बारे मे, मैं सोच रहा था कि क्या ये संभव है, कि बनाए इस केस को जिसे हमने बाद में नाम दिया बुद्धिमत्ता की डिजाईन जो मजबूत साइंटिफिक हायपोथेसेस है/ और एक साल बाद मैंने पाया कि कैम्ब्रीज से ग्रेजुएट करते समय, और ये बहुत अच्छी बात है कि मैंने इस केस को सटीकता से चार्ल्स डारविन को देखना शुरू किया, मैंने इसे दिलचस्प पाया कि डारविन का विचार ओरिजिन ऑफ़ स्पीशीज और ये सब, और मैंने उनके कामों में दिलचस्पी ली क्योंकि उन्होंने साइंटिफिक रीजनिंग के लिए एक अद्भुत तरीका बनाया था,जिसके कारण वैज्ञानिकों में भूतकाल में क्या घटनाए हुई हैं उसकी खोज की है,और फिर मैंने जाना कि हम किसी भी तरह से ओरिजिन ऑफ़ लाइफ के बारे मे बताए चाहे ये डिजाईन हो या इनडायरेक्ट प्रोसेसेस हो, हम तो उसे बताने की कोशीश कर रहे हैं जो बहुत समय पहले हुआ है, जो जिन्दगी के इतिहास की घटना है/ तो जो तरीका डारविन ने बनाया था ये बहुत महत्वपूर्ण था कि निर्णय ले कि इंटेलीजेंट डिजाईन के साइंटिफिक केस को बनाए/

और जो तरीका उन्होंने बनाया उसका नाम था, ये है मेथड ऑफ़ मल्टीप्ल कंपीटिंग हायपोथसेस, जिसे कईबार समझाने के लिए प्रभाव का तरीका भी कहते हैं, और ये एक सवाल उठाता है कि सबसे अच्छा विवरण का मतलब क्या है? और जैसे मैं इस विषय में गहराई में गया, मैंने उनके एक मुख्य मेंटर की स्टडी करनी शुरू कर दी, वो थे जिओलोजीस्ट चार्ल्स लायाल, और एक दिन मैंने ज्योति पाई जैसे मैं लायाल की किताब पढ़ रहा था, प्रिंसिपलस ऑफ़ जियोलॉजी, पृथ्वी की सतह के बदलाव को बताने की कोशीश करना अभी होनेवाले कारणों के सम्बम्ध में, और यही पर ज्योति आई/ क्योंकि लायाल जो सच में कह रहे थे और मैं उनके काम की गहराई में गया, ऐतिहासिक वैज्ञानिकों का काम है, कि भूतकाल की घटनाओं को बताए उन कारणों के संबंध में जो अभी हो रहे हैं, ऐसे कारण जो हम अपने अनुभवों से जानते हैं, वो योग्य है कि उठाए गए सवाल का जवाब दे/

चलिए उदाहरण देता हूँ यदि आज आप पुर्वीय वाशिंगटन में जाए, वहाँ अभी भी जगह है जिसे पौलोसे गाँव है, वहाँ पर बारीक धुल है, सफेद पावडर जैसे, और यदि आप जियोलॉजिस्ट हैं और आपको पता नही कि 18 मई 1980 में क्या हुआ जब माउन्ट सेंट हैलन्स फटा, हम उस सफेद पावडर को देख रहे हैं, तो हम लायाल और डारविन के तरीके का उपयोग कर सकते हैं, हम बहुत से हायपोथसेस बना सकते हैं, शायद ये बाढ़ हो, या भूकम्प हो/ शायद ये ज्वालामुखी की कोई घटना है/ अब इन तीन हायपोथसेस में से कौनसा सबसे बेहतर है?

खैर लायाल के सिद्धान्त के अनुसार सबसे बेहतर विवरण तो वो होगा जिसे हम अपने अनुभव से जानते हैं कि हम जिस प्रभाव को बताने की कोशीश कर रहे हैं, वो उसका कारण भी दे सके/ तो मन में ये विचार रखते हुए सबसे अच्छा विवरण होगा कि शायद ज्वालामुखी होगा, हमने देखा है कि ज्वालामुखी से सफेद पावडर जैसे कुछ बनता है/ बाढ़ और भूकंप में ऐसा नही होता है/ और यही तो कारण बनाने का उद्देश होता है/ जो मैंने लायाल औरडारविन की स्टडी करने से पाया है/

और फिर एक दिन मैंने जाना कि ये उपयोग होता है जानकारी के शुरू के सवाल के बारे में, और ये मुख्य सवाल था जो मुझे परेशान कर रहा था, क्योंकि मैं खुद से ये सवाल पूछता था, इस समय कौनसा कारण काम कर रहा है जिससे डिजिटल कोड बन सके? वो कारण क्या है जिससे हम जानते हैं, जो कोड और जानकारी बनाते हैं, और उसके कुछ समय बाद, मैंने जाना, मैं और कुछ पढ़ रहा था, एक छोटी किताब जिसमे इनफार्मेशन थेयरी के एप्लीकेशन थे या इनफार्मेशन ऑफ़ साइंस डी एन ए के मुल्यांकन के लिए/ जिसे इस क्षेत्र में मुख्य व्यक्ति ने लिखा है जिनका नाम है हेनरी क्वास्टलर/ और उन्होंने इस बारे में कहा पेज 16 पर, मुझे वो अच्छे से याद है जब मैंने उसे देखा था, और क्वास्टलर ने कहा, नई जानकारी की रचना तो आदतन रूप में सचेत क्रिया से जुडी होती है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: मुख्य बात है/

डॉक्टर स्टीफन मायर:: मुख्य बात है लेकिन लायाल के अनुसार ये हमारा नियमित और हमेशा का अनुभव है जो हमें कारण और प्रभाव के बारे में सिखाता है/

याने यदि कोई आदतन रूप में सचेत क्रिया से जुडी होती है, याने यदि जानकारी सचेत रूप में आदतन क्रिया के साथ में जुडी होती है, तो ये सच में लायाल की बात को पूरा करती है, कि हम अभी देख रहे है कि ये कारण काम करता है और ये नियमित रूप में सवाल में प्रभाव बनाता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: सच में केवल इसी जगह पर हम ने उसे आते देखा है/

डॉक्टर स्टीफन मायर:: जी, ये अगली बात है जो मैंने इसे देखना शुरू करने के बाद पाई, मैंने सोचा हम जब भी हम जानकारी देखते हैं, और हम इसे स्रोत तक देखते जाते हैं, चाहे हम कंप्यूटर प्रोग्राम के बारे में कहे या

हायरोगलीफिक इनस्क्रिप्ट्स हो या किताब का पैराग्राफ हो/ रेडियो सिग्नल से मिली जानकारी हो,जब भी हम जानकारी देखते है उसका संबंध उसके मुख्य स्रोत से जोड़ते हैं, और ये कारण हमेशा मन में आता है, ये मटेरियल क्रिया नही है, कॉनशस और रैशनल क्रिया के लिए/ जैसे क्वास्टर ने कहा तो मैंने जाना कि उनका ये छोटा वाक्य बिलकुल सही है, और ये सच में बुनियाद बनाता है बुद्धिमत्ता की डिजाईन के लिए साइंटिफिक केस की/ डारविन और लायाल के तरीके का उपयोग करते हुए/

तो मेरी पहली किताब में सिग्नेचर इन द सेल में, मैंने बुद्धिमत्ता की डिजाईन के लिए विवाद खड़ा किया, डारविन और लायाल के तरीके का उपयोग करते हुए, और बताया की जिस तरह की जानकारी चाहिए थी कि पहली जीवित सेल बनाए, जो अच्छे से बताई गई बुद्धिमत्ता के तरीके से, जिन्दगी के इतिहास में बुद्धिमत्ता की डिजाईन के काम के बारे में/

मैं सोचता हूँ कि इसी कारण का उपयोग कर सकते हैं इस रहस्य भरी घटना को बताने के लिए जिसे हम कैमरीयन एक्सप्लोजन कहते हैं, हम यही कह रहे हैं, कैमरीयन एक्सप्लोजन, तो नए बायोलॉजिकल रूप या ढाचे का भाग नही है, ये तो जानकारी का एक्सप्लोजन है/ दोनों हैं जेनेटिक जानकारी और ये ऊँचे स्थर की जानकारी जिसे हम एपीजेनेटिक जानकारी कहते हैं, दोनों केस में हम केवल एक ही तरह का कारण देखते हैं जो ये जानकारी देता है और वो है बुद्धिमत्ता, कैमरीयन एक्सप्लोजन जानकारी का एक्सप्लोजन है/ मैं सोचता हूँ कि हमारे पास स्पष्ट उदाहरण है जिन्दगी के इतिहास से,जो इस तरह की बुद्धिमत्ता की डिजाईन के साबुत देते हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, मुझे पहला उदाहरण पसंद आया, जो आपने उस किताब में बताया है, जहाँ आपने दिल का एक चित्र बताया है जो समुन्दर किनारे की रेत पर बनाया गया है, जो है,"आय लव यू जोएन" और यदि आप आए और बीच के किनारे चल रहे हैं, तो हम अनुमान नही लगाएगे कि ये दिल और ये संदेश तो समुन्दर की लहरों के कारण नही बना है/ ठीक है, जब हम संदेश देखते हैं तो हम जानकारी देखते हैं, और कहते हैं कि किसी की बुद्धिमत्ता से ये संदेश बना है/

डॉक्टर स्टीफन मायर:: जी, हम इस तरह के कारणों को समय समय पर देखते और ये सही है क्योंकि हम संसार के कारण और प्रभाव को जानते हैं, बील गेट्स ने कहा कि डी एन ए सॉफ्टवेअर प्रोग्राम जैसे है, लेकिन जो बनाया गया है उससे बहुत ही उलझा हुआ है, जी, हम अनुभव से जानते हैं, कि सॉफ्टवेअर प्रोग्राम को बनाने के लिए एक प्रोग्रामर चाहिए/ और हम सामान्य रूप में जानते हैं, कि जब भी हम जानकारी देखते हैं, खासकर जब हम इसे व्यक्तिगत रूप में देखते हैं, तो हमेशा एक दिमाग ने काम किया कि इस जानकारी को बना सके, तो जब हम जिन्दगी के बुनियाद की जानकारी को देखते हैं, और हम जानकारी के इनफ्यूजन को देखते हैं जिन्दगी के इतिहास में, मैं ये कहता हूँ कि हम देख रहे हैं डिजाईनिंग इंटेलीजेंस की क्रिया को, क्योंकि हम जानते हैं कि हमारे पुरे अनुभव में किसी भी कारण से इस रूप में जानकारी को नही बना सकती है/

और जैसे की हम पिछले प्रोग्राम में चर्चा कर रहे थे, अब हमारे पास बहुत मज़बुत कारण हैं, कि संदेह करे कि डारविन के मैकनिजम याने दोनों जेनेटिक और एपिजेनेटिक जानकारी इस योग्य है कि कैमरीयन में आनेवाले बेचीदा जानवरों को बना सके/

याने ये निगेटिव केस है डारविनिजम और उससे मिलती हुई मटेरियलिस्टिक इवोल्यूशनरी थेयरी के साथ/ मेरी किताब में मैंने बताया कि ये केवल नियो-डारविनियन इवोल्यूशनरी थेयरी नही है, जो जानकारी की शुरवात के बारे में बता सके, लेकिन और भी नए मॉडल्स जो अभी बताए जाते हैं, और दूसरी ओर हमारे पास सकारात्मक

साबुत हैं,सकरात्मक अनुभव है, कारण और प्रभाव का तरीका संसार में है,जहाँ हम देखते हैं कि दिमाग या बुध्दिमत्ता की बात है जो जानकारी को उत्पन्न करने के लिए जिम्मेदार है/

तो मैं सोचता हूँ कि बुद्धिमत्ता की डिजाईन बनाने के लिए ये सामर्थी केस है, और ये आइरोनिक बात है या अजीबसी बात है, और इस केस को बनाने में, हमने बुद्धिमत्ता की डिजाईन की केस बनाई, और ऐतिहासिक वैज्ञानिक कारणों का उपयोग किया है, जिसे खुद चार्ल्स डारविन ने ओरिजिन ऑफ़ स्पीशीज ने बनाई है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, अपने अपनी किताब में महत्वपूर्ण बात कही है और मैं लोगों के लिए इसे स्क्रीन पर रखना चाहता हूँ/ आपने कहा कि केवल इसलिए कि कैमरीयन एक्सप्लोजन कुछ बातों को शायद दिखाए जिसके लिए बुद्धिमत्ता की डिजाईन कारण को बताए इसका ये कारण नही कि बुद्धिमत्ता की डिजाईन ही मुख्य कारण है उन बातों के सबसे अच्छे विवरण के लिए/ आपने ये भी कहा कि केवल कैमरीयन घटना और जानवरों के गुणों के प्रकट होने के लिए बुद्धिमत्ता की डिजाईन केवल जाना जानेवाला कारण है/ कि ऐतिहासिक वैज्ञानिक भूतकाल में घटी बातों के बारे में बता सके/ मैं सोचता हूँ ये महत्वपूर्ण वाक्य है बताइए आप क्या कह रहे हैं/

डॉक्टर स्टीफन मायर:: ठीक है ये तो लॉजिक की बात है, जब हम वो करने की कोशीश करते हैं जिसे वैज्ञानिक रेट्रोडिक्ट कहते हैं, याने वर्तमान के कुछ क्लू से भूतकाल के कारणों को देखते हैं, हम निर्णय लेनेवाली बात कर सकते हैं, जहाँ प्रभाव और सवालों के लिए केवल एक ही कारण होगा, यदि बहुत से कारण हैं जो सब एक ही परिणाम को उत्पन्न करे, तो जब हम प्रभाव को देखेगे, तो ये उनमे से कोई कारण हो सकता है जो जिम्मेदार हो, लेकिन देखीए इस केस में, ऐतिहासिक वैज्ञानिक अच्छी केस वो है जहाँ प्रभाव का एक ही कारण हो, क्योंकि तब प्रभाव निश्चित रूप में उस कारण को बताएगा/ और दूसरी कोई संभवना नही होगी/ और डारविनस डाउट में मैंने यही बताया है,और सिगनिचर इन द सेल में,कि केवल एक ही जाना हुआ कारण है फंक्शनल जानकारी की शुरुवात के लिए, वो जानकारी जो कम्युनिकेशन फंक्शन को बना सके,और वो कारण तो बुद्धिमत्ता का है और निश्चय ही हम जिन्दगी में इन्ही परिणामों को देखते हैं, जी हमें जीवन में बताना होगा/ये जानकारी की शुरुवात और डी एन ए में डिजिटल कोड, और साथ ही हम कह रहे हैं ये ऊँचे स्थर की प्रोसेसिंग सिस्टम/ एपीजेनेटिक जानकारी जो जानवरों के बॉडी प्लान को बनाने में होती हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, मैं सोचता हूँ कि यहाँ एक और क्लिप देखते हैं, ये बताएगी जो आप कह रहे हैं और साथ ही और भी सबुत देगी, कि क्यों बुद्धिमत्ता की डिजाईन फीट होकर सबूतों का अच्छा विवरण देती है, दोस्तों इसे देखते हैं/

इलेस्ट्रा मीडीया की डॉक्युमेन्ट्री मूवी डारवीन्स डाऊट से

डॉक्टर स्टीफन मायर:: जैसे मैंने कई साल तक इस पर गौर किया, तो जाना कि यही कारण जो बायोलॉजिकल जानकारी के शुरूवात के लिए उपयोगी होता है/ ये कैमरीयन एक्सप्लोजन में दुसरे मुख्य गुणों के बारे में भी उपयोगी होते हैं/

अनाऊंसर: कैमरीयन एक्सप्लोजन में अचानक फायला के आने ने डारविन के अनुमान को बनाया कि ये सरल से उलझते चले जाता है/

पॉल नेल्सन: डारविन के चित्र में थोडा फर्क बड़े फर्क में बदलते चले जाता है/ टॉप डाउन चित्र उसे उलटा कर देता है/

डॉक्टर स्टीफन मायर:: पहले हम देखते हैं कि नया फायला होता है, और समय बीतने पर उस में कुछ वेरिएश होते हैं, लेकिन नए रूप में बड़ा फर्क दिखता हैं, फोसिल्स रिकार्ड्स के शुरू से ही/ यदि हम डिजाईन की संभवनाओ को सोचते जाते हैं, तो हम जानते हैं कि ये तरीका सही अर्थ रखता है क्योंकि हम टेक्नोलॉजी के इतिहास में देखते हैं, यही तरीका टॉप डाउन नए रूप में दिखाई देता है/

डग एक्स: हम हमेशा हाय लेवल ऑब्जेक्टिव में काम करते हैं, विवरण से देखते हैं कि हाय लेवल ऑब्जेक्टिव को हासिल कर सके/

पॉल नेल्सन: केवल बुद्धिमत्ता ही बेचीदा एंड पॉइंट्स को देख सकती है, और उस एंड पॉइंट को एक्चुअलाइज करने के लिए जरूरी बातें लाती हैं/

अनाऊंसर: बॉडी डिजाईन साबुत देती है कि कैमरीयन जानवर निरंतर अलग स्पीशीज में दिखाई देते हैं, पुरे जिन्दगी के इतिहास में/

हालाँकि ये स्पीशीज समान बॉडी प्लान की ही होती हैं, वो इन्टरमिडीएट मटेरियल फॉर्म्स के निरंतर लाइंस से नही जुड़े होती है/

डॉक्टर स्टीफन मायर:: ये कॉनटयुनीटी जो बताती है कि ये फॉर्म में समय के साथ यही विचार होता है/ तो जब हम फोसिल्स रिकार्ड्स में देखते हैं, तो यही मुख्य विचार बार बार उभरकर आता है/ ये बताता है कि दिमाग ने भूमिका निभाई है इस फॉर्म के शुरुवात में, इस बॉडी प्लान आर्गेनाइजेशन में/

अनाऊंसर: डिजाईन सिस्टम साथ ही और भी निश्चित बात बताती है, कि ये तो बने होते हैं कॉम्प्लेक्स और निश्चित ऑर्गनाइजड पार्ट के नेटवर्क के साथ/

डग एक्स: हम कह सकते हैं कि ये घोसले के जैसे हायआरकी होती है, बहुत ऊँचे स्थर के पैरामीटर्स होते हैं जो पुरे प्रोजेक्ट गोल को बताते हैं, और उसके निचे लेअर और लेअर होते हैं, ज्यादा डिटेल पैरामीटर होते हैं जिनकी जरूरत इस प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए जरूरी होता है/

अनाऊंसर: उदाहरण के लिए रजिस्टरस, कैपासीटरस और ट्रांजिस्टर बनाए जाते हैं खास तरह से अरेन्ज किए हुए मटेरियल से, और हर कॉम्पोनेन्ट अरेन्ज कर इंटीग्रेटेड सर्किट में जुड़ते हैं, सर्किट कंप्यूटर बनाने के लिए अरेन्ज होते हैं और फिर वो कंप्यूटर के नेटवर्क को अरेन्ज करता है/

डॉक्टर स्टीफन मायर:: याने हर स्थर पर खास अरेंजमेंट होती है, जो दी जाती है उस बुद्धिमत्ता के डिजाईनर के द्वारा, वो इंजीनियर जो सारे सिस्टम को काम करने देता है/ बायोलॉजी में भी कुछ इसी तरह से है/

अनाऊंसर: लिविंग सिस्टम में जीन्स जिसे प्रोटीनस कहते हैं, जो अलग सेल टाइप से अरेन्ज किए जाते हैं, जो टिशुज़ और ऑर्गन बनाने के लिए जरूरी होते हैं, जो बॉडी प्लान में असेम्बल होते हैं, इस में वो प्लान्स हैं जो कैमरीयन एक्सप्लोजन में पाए गए हैं/

डॉक्टर स्टीफन मायर:: हम जानते हैं कि पुरे संसार में केवल एक ही कारण है जो इस तरह से हायआर्कीअल अरेंजमेंट बना सकता है इस तरह के फॉर्म और स्ट्रक्चर और जानकारी को/ ये बुद्धिमत्ता से होता है ये काम तो दिमाग करता है, लेकिन स्वाभाविक अनडायरेक्टेड प्रोससे नही करती हैं/

पॉल नेल्सन: इवोल्यूशन ने जैसे डारविन ने देखा बहुत धीरे काम करता है, जिसमे बढ़ते हुए बहुत से असफल प्रयोग होते हैं, और कोई भी अपेक्षा करता है कि लाखों साल में एक सेडीमेंट डिपाजिट हो और उन में से कुछ एक्सपेरीमेंट को कैप्चर करे इन कुछ लिंकिंग ग्रुपस में, जो बताते हैं ट्रायलाबिट्स के बारे में जिन्हें वो जानते थे/

डॉक्टर स्टीफन मायर:: उन रूपों को नही होना ही बड़ा रहस्य है, लेकिन बुद्धिमत्ता की डिजाईन के दृष्टिकोण से, ये रहस्य भरा नही है क्योंकि हम जानते हैं कि बुद्धिमत्ता के एजेंट्स उन बातों को अस्तित्व में ला सकते हैं जो पहले नही थी, क्योंकि उनके पास विचार है, उनके मन में नक्शे हैं, जो वो अपनी रचनात्मक क्रिया में जानते हैं/ इवोल्यूशनरी इतिहास के लाखों के साल के बारे में सोचने की जरूरत नही है,यदि हम उस प्लान और उस पल को जान ले,और कैमरीयन एक्सप्लोजन में इसी तरह से हुआ है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: सचमे स्टीफन मैं सोचता हूँ आपने बहुत प्रभावी केस बनाई है, आप क्या सोचते हैं कि इस केस के उपयोग क्या होगे?

डॉक्टर स्टीफन मायर:: जी, मैं सोचता हूँ कि जब लोग इसे देखते हैं तो सबसे पहले मन में यही आता है कि बुद्धिमत्ता की डिजाईन कितनी अलग है उससे जो उन्होंने मिडिया में इसे बताया है/ हमें बार बार बताया गया है कि डारविन का इवोल्यूशन सारे सवालों को खत्म करता है, जो हम से बड़े इवोल्यूशन बायोलॉजि जरनल में देखते हैं, अब बहुत से बड़े वैज्ञानिक समझ रहे हैं कि समस्या क्या है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: आप क्यों सोचते हैं कि ये महत्वपूर्ण है?

डॉक्टर स्टीफन मायर:: मैं सोचता हूँ कि वैज्ञानिक रूप में ये महत्वपूर्ण है क्योंकि हमने 150 साल से सुना है कि प्रकृति की डिजाईन के कोई सबूत है, केवल डिजाईन दिखाई देती है, रिचर्ड डॉकीन्स ने कहा कि हाँ बायोलॉजी तो उलझी हुई चीजों का अध्यन है जो उद्देश के साथ डिजाईन को प्रकट होना बताती है/ लेकिन डारविनिस्ट और आधुनिक नियो-डारविनिस्ट के अनुसार,ये तो भ्रम जैसे दिखता है, मैं सोचता हूँ कि हम सच में देख रहे हैं असली डिजाईन के साबित करनेवाले सबूतों को, और ये तो जिन्दगी के इतिहास में असली बुद्धिमत्ता की डिजाईन बताती है/ ये तो 150 साल के वैज्ञानिक सोच में बड़ी बात है/

लेकिन मैं सोचता हूँ कि इस खोज में संसार के दृष्टीकोण के बारे में बहुत कुछ है, क्योंकि हर दृष्टिकोण को इस सवाल का जवाब देना होगा, कि क्या बात है या चीज़ या क्रिया है, जिससे सबकुछ बनाया गया है? और डारविनिजंम ने बेचीदा भूमिका निभाई है कि इस बात को सहमती दे कि नैचरीलिस्ट या मटेरियलीस्टिक दृष्टिकोण के लिए/ जो ये कहता है कि सब कुछ आया अनडायरेक्टेड, अनगाइडेद और मटेरियल प्रोसेस से/ और यदि बुद्धिमत्ता का सिद्धान्त सही है, और मैं सोचता हूँ कि इसके लिए मजबूत सबूत हैं,तो मैं सोचता कि ये सबूत मटेरियलिस्टिक सोच को बड़ी चुनौती देती है,और शायद हम वैज्ञानिक खोज करते जाए, थीइस्टिक उपयोग को जो बुद्धिमत्ता की ओर इशारा करती है, और इसमें यहूदी और मसीही दृष्टिकोण है जो परमेश्वर से जुड़े हैं, मैं सोचता हूँ कि अगले प्रोग्राम में हम इस पर चर्चा करेगे/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, और दोस्तों मैं सोचता हूँ कि यही पर दोष निकालनेवाले आते हैं क्योंकि वो कुछ उपयोगी बातों को समझते हैं, अगले हफ्ते हम प्रोग्राम में देखेगे, कि दोष निकाल्नेवालों ने इस थेयरी के बारे में क्या खा, और डॉक्टर मायर उन्हें जवाब दे,ये अद्भुत प्रोग्राम होगा आशा है कि आप हमारे साथ जुड़ जाएगे/

****

हमारे टीवी प्रोग्राम देखने के लिए मुफ्त में डाऊनलोड कीजिए जॉन एन्करबर्ग ाो एप

"घ्द्धठ्ठन्र् द्यदृ ठ्ठड़ड़ड्ढद्रद्य ख्ड्ढद्मद्वद्म क्ण्द्धत्द्मद्य" ऋ ख्ऋद्मण्दृध्र्.दृद्धढ़

@JAshow.org

क्दृद्रन्द्धद्वत्ढ़ण्द्य 2015 ऋच्ड्ढक्ष्